10:24 92%

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

म प्रश्न पत्र	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास
ीय प्रश्न पत्र	:	मध्यकालीन काव्य
ीय प्रश्न पत्र	:	साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)
ुर्थ प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (उपन्यास,कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

म प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (नाटक, निबंध एवं आलोचना)
ीय प्रश्न पत्र	:	प्राचीन एवं निर्गुण काव्य
ीय प्रश्न पत्र	:	भाषा विज्ञान
र्थ प्रश्न पत्र	:	आधुनिक काव्य
म प्रश्न पत्र	:	विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)

Raj |

.ए. पास/~~ऑनर्स~~ प्रथम ~~वर्ष~~ – हिन्दी साहित्य (18) ~~I~~A
थम प्रश्नपत्र – आदिकाव्य और भक्तिकाल – 1102-IA
न्यनतम उत्तीर्णांक 36

[2] बी.ए. ~~(ऑनर्स)~~ तृतीय वर्ष – हिन्दी साहित्य (6)

प्रथम प्रश्न पत्र

आधुनिक काव्य

0

उत्तीर्णा

अ'

थलीशरण गुप्त

केत – नवम सर्ग

1. वेदने तू भी भली बनी .... पाऊं प्राण धनी
2. निरखी सखी ये खंजन आये .... अश्रु सूखा कर ल
3. विरह संग अभिसार भी .... और एक संसार भी
4. दोनों और प्रेम पलता है .... मुझे यही खलता है।
5. आ आ मेरी निंदिया गूंगी............. मैं न्यौछावर हूँ जी
6. कहती मैं, चातकि फिर बोल .... उर के कल–क
7. सखि निरखि नदी की धार .... आगे नखीं सहागै

धरा

1. सखि, वे मुझसे कहकर जाते
2. अब कठोर हो वज्रादपि ओ कुसुमादपि सुकुमारी
3. हे मन आज परीक्षा तेरी

ंकर प्रसाद

यनी – चिन्ता सर्ग

ांत त्रिपाठी निराला

लसीदास – प्रथम पांच छंद

वसावसान का समय

ी के द्वीप

ज थमा हिय हारिलमेरा

पुल बनाएंगे

काल दर्शन

टी और संसद

र्जुन

दल को घिरते देखा है।

बी.ए. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष – हिन्दी साहित्य (10)

द्वितीय प्रश्न पत्र – नाटक, एकांकी तथा कथेतर विधाएं

न्यूनतम उत्तीर्णांक – 36

– हानूष – भीष्म साहनी 2102 II

की

कुमार वर्मा – उत्सर्ग

द्र नाथ अश्क – तौलिये

दुल्ला – हरितगंधा

-गद्य

चित्र – प्रोफेसर शशांक – विष्णुकान्त शास्त्री

मकथा – बिस्मिल का जीवन – रामप्रसाद बिस्मिल

मरण – तीस बरस का साथी – रामविलास शर्मा

त्रावृत्त – चीड़ों पर चांदनी – निर्मल वर्मा

पोर्ताज – अदम्य जीवन – रांगेय राघव

क, एकांकी तथा कथेतर विधाओं का उद्भव एवं विकास

न

चार व्याख्याएं – दो नाटक से 9 x 4 = 36 अंक
एक एकांकी से
एक कथेतर गद्य से

चार निबन्धात्मक प्रश्न 14 x 4 = 56 अंक
प्रश्न नाटक पर (विकल्प देय)
प्रश्न एकांकी पर (विकल्प देय)
प्रश्न कथेतर गद्य पर (विकल्प देय)

ण्ड 'स' में एक विषय पर टिप्पणी (विकल्प देय) 8 अंक

नाटक का उद्भव और विकास – दशरथ ओझा

ेन्दी साहित्य I A
भक्तिकाल – 1102-IA

न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

र्यकरण पारीक रामसिंह

बी.ए. पास/~~ऑनर्स~~ तृतीय वर्ष हिन्दी साहित्य 8
द्वितीय प्रश्न पत्र – भाषा, काव्यशास्त्र एवं निबन्ध

उत्तीर्णांक

ाव्य भाषा एवं निबंध जयप्रकाश मिश्रा,
ाषा काव्य निबंध सूर्यकान्त त्रिपाठी

द्भव और विकास
महत्व, वैज्ञानिकता तथा सुधार
में हिन्दी की स्थिति, समस्याएं तथा समाधान

परिभाषा और महत्व
अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, अपन्हुति
परिभाषा और महत्व
दोहा, चौपाई, छप्पय, रोला, मालिनी, शिखरणी, द्रुतविलम्बित, हरि
परिभाषा, रस के अवयव, रस सिद्धान्त और रस के प्रकार
माधुर्य, ओज, प्रसाद
अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

– आचरण की सभ्यता
– लोभ और प्रीति
दी – भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति
ो – साहित्य और सामाजिक जीवन
– तुलसी के सामंत विरोधी मूल्य
– तुम चंदन हम पानी
– उत्तरा फाल्गुनी के आस पास

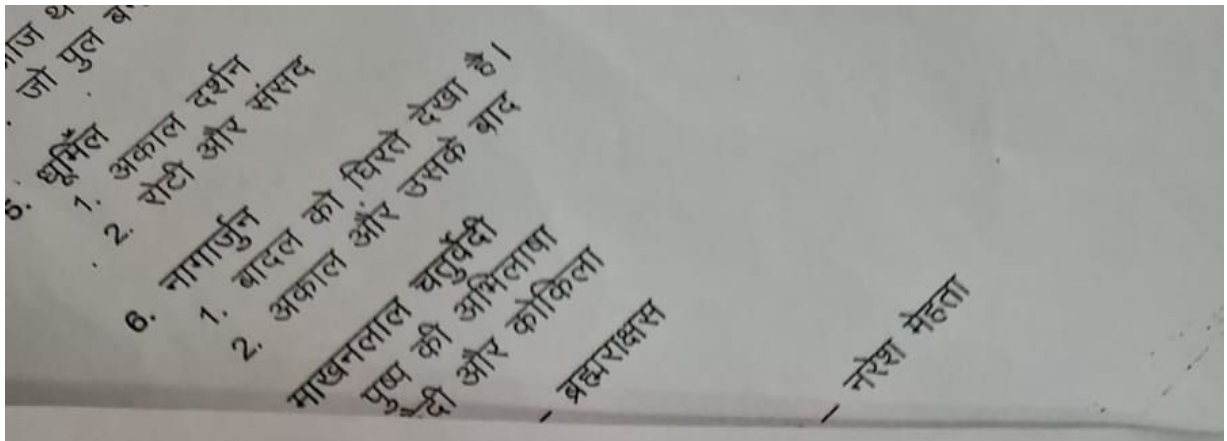

5. धूमिल
1. अकाल दर्शन
2. रोटी और संसद
6. नागार्जुन
1. बादल को घिरते देखा है।
2. अकाल और उसके बाद
माखनलाल चतुर्वेदी
पुष्प की अभिलाषा
...दी और कोकिला
– ब्रह्मराक्षस
– नरेश मेहता

(20)

.... पास कोर्स/~~ऑनर्स~~ प्रथम वर्ष – हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र – उपन्यास और कहानी

—1102-II A. न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

– ग्लोबल गांव के देवता – रणेन्द्र

...लेरी	–	उसने कहा था
	–	पूस की रात
...द	–	पुरस्कार
	–	पाजेब
	–	परदा
	–	आर्द्रा
	–	यही सच हैं
	–	गदल
	–	पिक्चर पोस्टकार्ड
	–	सिक्का बदल गया

...कहानी स्वरूप और परिभाषा
...हिन्दी कहानी का विकास

(दो उपन्यास तथा दो कहानियों से) 10 x 4 = 40 अंक
...व्याख्या (विकल्प देय)

15 x 4 = 60 अंक

बी.ए. ~~(ऑनर्स)~~ द्वितीय वर्ष – हिन्दी साहित्य

प्रश्न पत्र – रीतिकाल

रामचन्द्रिका –सम्पादक – लाला भगवान दीन

रावण–अंगद संवाद

– बिहारी रत्नाकार – जगन्नाथ दास रत्नाकर

1. मेरी भव बाधा हरौ............
2. जम–करि–मुँह–तरहरि पर्यौ..................
3. कौन भाँति रहि है बिरदु................
4. कहत नटत, रीझत, खिझत.................. .
5. नहि पराग नहि मधुर मधु....................
6. दीरघ साँस न लेहि दुख......................
7. थोरे ही गुन रीझते...........................
8. तंत्री–नाद कवित्त–रस.........................
9. या अनुरागी, चित्त की ....
10. जप माला छापा तिलक...............
11. भूसन भारू सम्भारि है..............
12. अंग–अंग नग जगमगत दीपशिखा सी देह...............
13. कहलाने एकत बसत अहि मयूर मृग बाघ..............
14. कौ कहि सकै बड़ेन सौ लखै बड़ी हू भूल...............
15. घरू–घरू डोलत दीन है.....................
16. आवत जात न जानियतु......................
17. बडे न हूजे गुनन बिनु......................
18. कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय ....
19. तजि तीरथ हरि राधिका..................
20. जिन दिन देखे वै कुसुम..................
21. स्वारथु, सुकृतु न श्रम वृथा.................
22. नर की अरू नल–नीर की ....

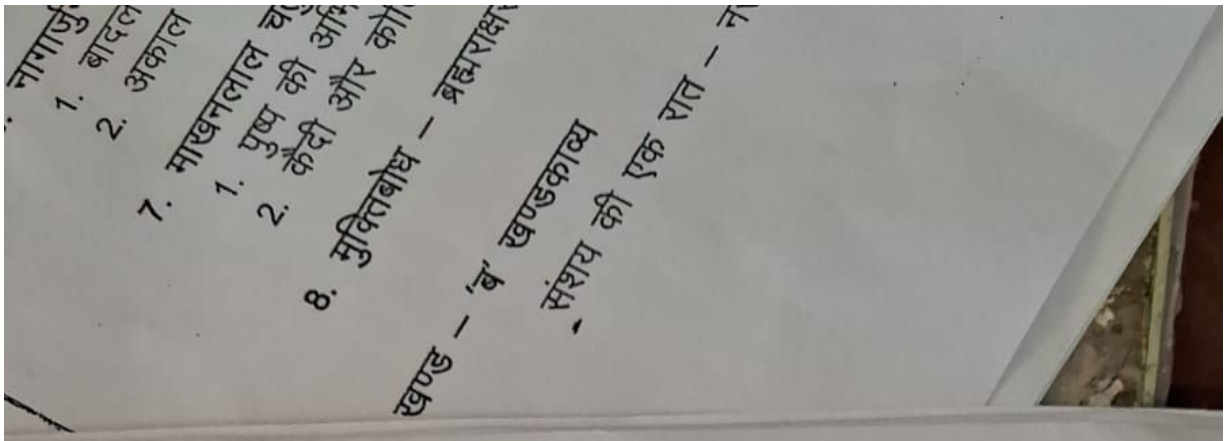

(18) I A

बी.ए. पास/~~ऑनर्स~~ प्रथम ~~वर्ष~~ – हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र – आदिकाव्य और भक्तिकाल – 1102-IA

न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

– सं0 – नरोत्तम दास स्वामी, सूर्यकरण पारीक रामसिंह
दोहा संख्या– 8,9,10,19,20,21,37,38,40,49,52,61,69,112,116 = 15

– सं0 शिवप्रसाद सिंह – विद्यापति पदावली

- नन्दक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे
- सुन जसिया ऊबन बजाऊ बिपिन बसिया
- विरह व्याकुल मृदुल तरुवर
- कुंज भवन से चल भेलि हे
- सखि हे कतऊं न देख मधाई

– बीसलदेव रास – संपादक – माता प्रसाद गुप्त – 1,3,4,6,7,8,9,10

– कबीर ग्रंथावली, संपादक – श्यामसुंदर दास

साखी – 1. गुरुदेव को अंग
2. मन को अंग

पद –
1. मन रे जागत रहियो माई 23
2. पांडे कौन कुमति तोहि लागी 39
3. पंडित वाद वदन्ते झूठा 30
4. मन रे हरि भज हरि भज भाई 102
5. पंडित होइ सुपरहि दिखाई 159

– भ्रमरगीत सार, संपादक – रामचन्द्र शुक्ल

- ऊधो अंखियां अति अनुरागी
- आयो घोस बड़ो व्यापारी
- ऊधो मन नाहीं दस–बीस